सतरोल खाप के अंतर्जातीय विवाह को वैधानिक स्वीकृति देने के फैसले से खफा स्थानीय ब्राह्मण जाति व् खाप के चार में से एक तपा कृपया यह पढ़े:

पूरे भारतीय इतिहास में खापें ही एक ऐसी लोकतान्त्रिक प्रणाली रही हैं जिन्होनें अंतर्जातीय भाईचारे को धरातल पर जिया है, इसके कुछ उदाहरण यहां प्रस्तुत कर रहा हूँ:

1) सर्वखाप पंचायत सेना की प्रथम महिला अध्यक्षा व् विलक्षण वीरता की देवी योद्धेया दादी भागीरथी देवी जी (जो कि हरियाणा की जींद जिले की धरती की बेटी थी) सन 1355 में मुगलों के चुगताई वंश के चार बड़े सरदारों समेत चंगेज खान की सेना के सेनापति मामूर से अढ़ाई घंटे मल्ल्युद्ध कर उसको मौत के घाट उतारने वाली व् उस युद्ध में मुगलों की सेना को 25 किलोमीटर तक भगा-भगा के मारने वाली, आप शेर जाटनी ने अपनी पसंद से व् पंचायत की परम्परानुसार पंजाब के महातेजश्वी योद्धेय दादा श्री रणधीर गुज्जर से स्वंयवर किया था|

2) इसी काल के इर्द-गिर्द खाप-वीरांगना दादी महादेवी गुज्जर ने खाप योद्धेय दादा श्री बलराम जाट से स्वयंवर किया था|

3) खाप-वीरांगना दादी महावीरी रवे की लड़की ने अपने समान दुर्दांत खाप योद्धेय दादा श्री भद्रचन्द सैनी से स्वयंवर किया था|

इसी प्रकार भंगी कुल की खाप वीरांगना व् ब्राह्मण कुल की खाप वीरांगनाओं ने अंतर्जातीय विवाह किये थे|

खापों में ऊँच-नीच का कोई भेदभाव नहीं था| उस समय खापलैंड पर भंगी टट्टी व् मैला नहीं उठाया करते थे, अपितु खेती सहायताकार व् ललकार (मुनादी) इनका पेशा होता था|

इसलिए अगर आज इक्कीसवीं सदी में आकर सतरोल खाप ने खापों के अपने पुराने स्वाभाविक चरित्र के अनुसार अंतर्जातीय-विवाह को पुन: अपनी सवैंधानिक स्वायत्ता देने का निर्णय लिया है तो यह चहु-तरफी

स्वागत योग्य होना चाहिए| और स्थानीय ब्राह्मण समाज व् सतरोल खाप का जो एक तपा इसका विरोध कर रहा है उनको अपना यह स्वर्णिम इतिहास सामने रखते हुए, इस फैसले के साथ खड़ा होना चाहिए|

आप जो अपनी खाप के इस ऐतिहासिक फैसले से रूष्ट हैं आपको यह देखना चाहिए कि आज का जो तथाकथित बड़ी-बड़ी डिग्रियों वाला बुद्धिजीवी तबका भिन्न-भिन्न टीवी चैनलों के माध्यम से व् संस्थाएं खोल जातीय भेदभाव को मिटाने हेतु सिर्फ गोल-मेजें सजाना अपना फैशन व् आधुनिकता समझता है व् इस बाबत धरातलीय क्रियान्वन्ता से कोसों दूर रहता है, उसको भी यह समझ में आया होगा कि जिसपे वो सिर्फ बात कर सकते हैं, खापें उसको हकीकत में धरातल पर उतार सकती हैं| इसलिए यह आप लोगों के लिए रूठने का नहीं अपितु गर्व का पल होना चाहिए और आगे बढ़कर इस फैसले को अपना समर्थन देना चाहिए|

Author: Phool Kumar Malik

Founder: Nidana Heights

Dated: 05/05/2014